पगिली वेंकैया जयंती

चर्चा में क्यों?

2 अगस्त, 2025 को **प्रधानमंत्री** ने **पगिली वेंकैया** की 149वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और भारत के **राष्ट्रीय ध्वज** के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया, जो राष्ट्र की **एकता**, **विविधता** तथा **स्वतंत्रता** का प्रतीक है।

- प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपने घरों पर **तिरंगा** फहराकर **'हर घर तिरंगा' अभियान** का समर्थन करने का भी आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

पगिली वेंकैया के बारे में:

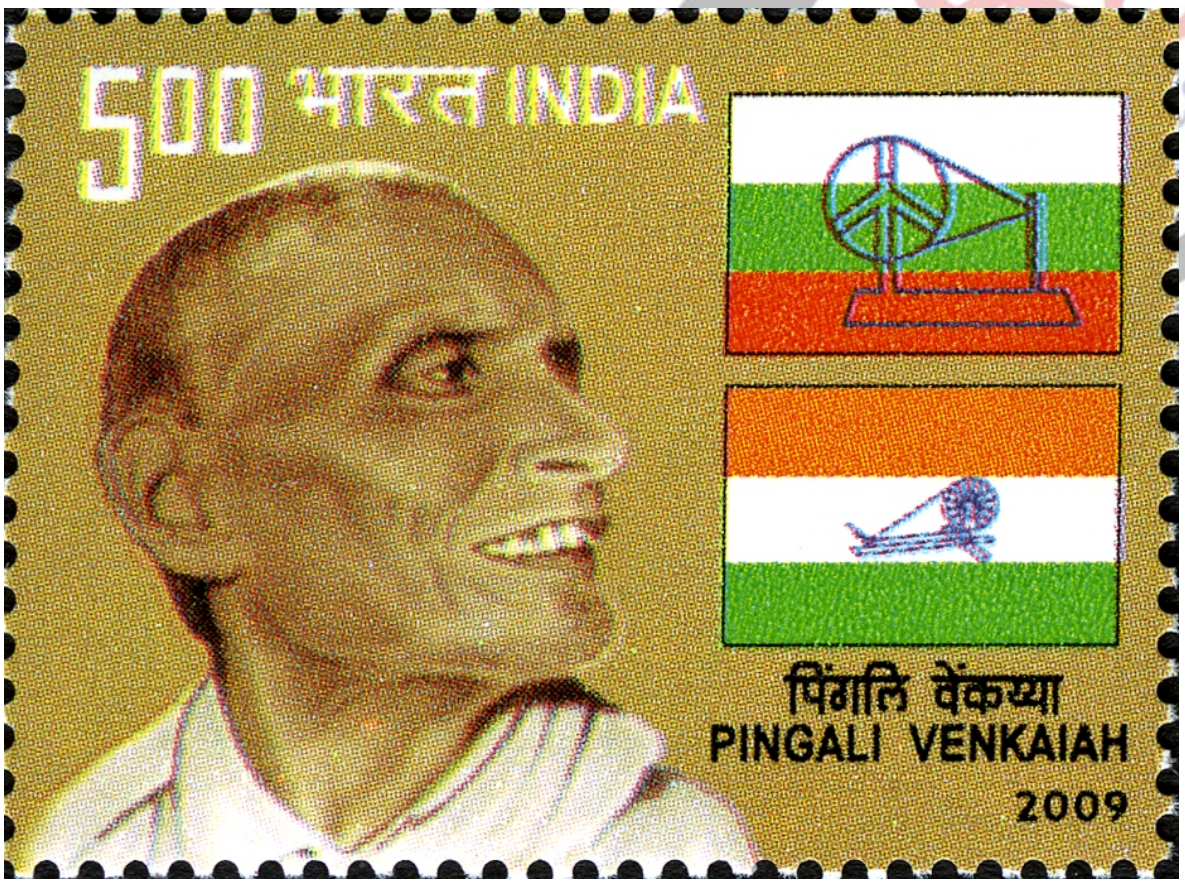

- उनका जन्म 2 अगस्त, 1876 को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के पास भटलापेनुमरु **गाँव** में हुआ था और 4 जुलाई,1963 को 86 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।
- उन्होंने 1899-1902 के दौरान **द्वितीय बोअर युद्ध** में भाग लिया।
- वर्ष 1913 में उन्होंने आंध्र प्रदेश के **बापटला** में जापानी भाषा में **'जापान वेंकैया'** नामक व्याख्यान दिया।
- **कंबोडिया कपास** पर अनुसंधान के कारण वे '**पट्टी वेंकय्या**' नाम से भी प्रसिद्ध थे।
- वर्ष 2009 में उनके योगदान के सम्मान में एक **डाक टिकट** जारी किया गया।

ध्वज का विकास

- वर्ष 1916 में पिंगली वेंकैया ने **भारत के लिये एक राष्ट्रीय ध्वज** शीर्षक से एक पुस्तिका प्रकाशित की, जिसमें भारत के संभावित ध्वज के लिये लगभग **30 डिज़ाइन** प्रस्तुत किये गए, जो अन्य देशों के ध्वजों से प्रेरित थे।
- राष्ट्रीय ध्वज के लिये **वेंकैया के डिज़ाइन को अंततः वर्ष** 1921 में **विजयवाड़ा** में कॉन्ग्रेस की बैठक में **महात्मा गांधी द्वारा अनुमोदित किया गया था।**
- प्रारंभिक ध्वज, जिसे **स्वराज ध्वज** कहा जाता था, में दो लाल और हरे रंग की पट्टियाँ थीं (जो हिंदू तथा मुस्लिम धार्मिक समुदायों का प्रतिनिधित्व करती थीं)। ध्वज में एक **चरखा** भी था, जो **स्वराज** का प्रतिनिधित्व करता था।
    - महात्मा गांधी ने **वेंकैया** को इसमें **शांति** का प्रतीक दर्शाने हेतु **सफेद पट्टी** जोड़ने की सलाह दी।
- **ध्वज समिति (1931)** ने लाल रंग को बदलकर **केसरिया** किया और रंगों को क्रमशः **केसरिया (ऊपर)**, **सफेद (मध्य)** तथा **हरा (नीचे)** निर्धारित किया। सफेद पट्टी के मध्य में चरखा अंकित किया गया।
    - इन रंगों का समुदायों से नहीं, बल्कि **गुणों** से संबंध था, **केसरिया** साहस और बलिदान, **सफेद** सत्य और शांति तथा **हरा** विश्वास और शक्ति का प्रतीक था। चरखा **जनकल्याण** का प्रतीक था।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, राष्ट्रपति **डॉ. राजेंद्र प्रसाद** की अध्यक्षता में गठित राष्ट्रीय ध्वज समिति ने चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को ध्वज में सम्मिलित किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birth-anniversary-of-pingali-venkayya